JANKI DEVI BAJAJ GOVERNMENT GIRLS COLLEGE
KOTA, RAJASTHAN
DEPARTMENT OF ZOOLOGY

Webinar on Global Tiger Day, 29 July 2021 in collaboration with WWF-India

Organized a webinar on **"Tiger Conservation" on Global Tiger Day, July 29th, 2021**, Department of Zoology, J.D.B. Government Girls College, Kota in collaboration with WWF-India, Sawaimadhopur. Dr. Anita Kothari, Principal, J. D. B. Govt. Girls College, Kota was the Chief Guest and **Speakers were Dr. Fatima Sultana, Head of Department, Department of Zoology, J. D. B. Govt. Girls College, Kota** & Dr. Abhishek Bhatnagar, Landscape Coordinator, WWF-India. Keynote Speaker, Mr. Prameek Kannan, Senior Biologist, WWF-India explained the various strategies used for Tiger Conserva

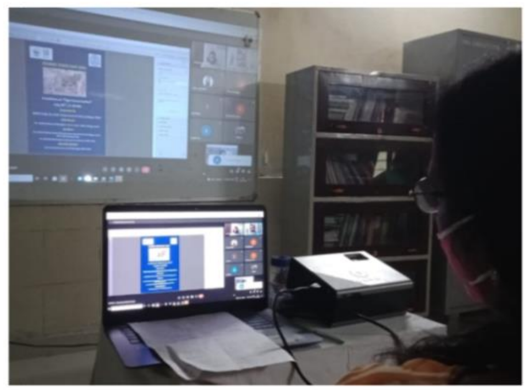

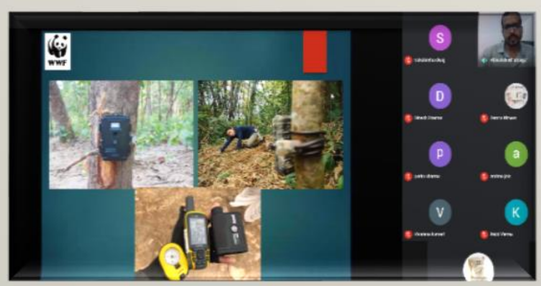

Global Tiger Day, Janki Devi Bajaj Government Girls College, Kota, Rajasthan

JANKI DEVI BAJAJ GOVERNMENT GIRLS COLLEGE
KOTA, RAJASTHAN
DEPARTMENT OF ZOOLOGY

Wildlife Census Training Program was organized by Deputy Conservator of Forests, Wildlife Division, Kota, Rajasthan on 14 May 2022.

Waterhole Census Program participated by students of M Sc Zoology & Research Scholars, in Ramgarh, Bhainsrorgarh and Mukundra Hills Tiger Reserve, Kota, 19-24 May, 2022

दैनिक भास्कर कोटा 21-05-2022

भास्कर एनालिसिस

हाड़ौती के जंगलों से अच्छी खबर

रामगढ़ में 1685, शेरगढ़ में 1388 और अभेड़ा में 145 वन्यजीव नजर आए, सबसे अधिक 2094 भैंसरोड़गढ़ में बढ़ी वन्यजीवों की संख्या

हाड़ौती के सेंचुरी और वन्यजीव एरिया में दो साल में 2200 वन्यजीव बढ़े, भालू 10 से बढ़कर 21 हुए, पैंथर की संख्या 11 से बढ़कर 31 पहुंची और एक टाइगर

रामगढ़ सेंचुरी में विकारा नहीं, पक्षियों को भी रास नहीं आ रहा, राष्ट्रीय पक्षी मोर की संख्या 1565 से घटकर 1488 पहुंची, अब यहां ग्रासलैंड होगा विकसित

हाड़ौती में नील गाय की संख्या 725 बढ़ी, लेकिन रामगढ़ में 160 कम हुए

एक्सपर्ट : वन्यजीवों की संख्या बढ़ने के लिए कंजर्वेशन और हैबीटेट इम्प्रूवमेंट जरूरी

हाड़ौती में वर्ष 2020 में वन्यजीवों की संख्या

इस साल हुई गणना के अनुसार वन्यजीवों की संख्या

दैनिक भास्कर कोटा 15-05-2022

मुकंदरा में 65%, वन्यजीव में 58% और कार्यालय उपवन संरक्षक में 56 % पद रिक्त

पहली बार आज से बीट के अनुसार होगी वन्यजीव गणना, परेशानी ये कि 1 फॉरेस्ट गार्ड के पास 3 बीट

सिटी रिपोर्टर | कोटा

वन्यजीव विभाग, मुकंदरा टाइगर रिजर्व और कार्यालय उपवन संरक्षक की सभी रेंजों में सोमवार को वाटर हॉल पद्धति से वन्यजीव गणना करवाई जाएगी, लेकिन इस बार बीट की इकाई मानकर गणना करवाने से फॉरेस्ट गार्ड की चिंता बढ़ गई है। क्योंकि, तीनों विभागों में आधे फॉरेस्ट गार्ड के पद रिक्त हैं। स्थिति ऐसी है कि एक फॉरेस्ट गार्ड के पास तीन से चार के बराबर बीट की जिम्मेदारी है। मुकंदरा में 65%, वन्यजीव में 58% और कार्यालय उपवन संरक्षक में 56% फीसदी रिक्त पद हैं। पदों की रिक्तता के चलते विभाग एनजीओ वॉलेंटियर लगाने की तैयारी कर रहा है। वन्यजीव विभाग के एसीएफ तरुण मेहरा ने बताया कि विभाग से वन्यजीव गणना करवाने के निर्देश मिले हैं। बीट आधारित गणना करवाई जाने से वॉलेंटियर का सहयोग लिया जाएगा। इस बार पूरी बीट को एक इकाई बनाया है।

72 वाटर पॉइंट पर होगी गणना, ट्रेनिंग दी

वन्यजीव विभाग की ओर से वन्यजीवों की गणना के लिए ट्रेनिंग दी।

वन्यजीव विभाग की ओर से शेरगढ़, भैंसरोड़गढ़, रामगढ़, अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क एवं उम्मेदगंज पक्षी विहार में कुल 72 वाटर पॉइंट पर वन्य जीव गणना होगी। डीसीएफ डॉ. एस.एन गुप्ता ने बताया की 16 मई सुबह 8 से 17 मई सुबह 8 बजे तक भैंसरोड़ में 28 शेरगढ़ में 15 और रामगढ़ में 26 और पर अभेड़ा में 2 एवं उम्मेदगंज पक्षी विहार में 2 स्थानों पर गणना की जाएगी। कार्यशाला में रिसोर्स परसन में डॉ. फातिमा सुल्ताना ने वन्य प्राणियों के नेचर के बारे में बताया।

1 दिन में कैसे बनेंगे मचान : वन्यजीव विभाग की ओर से महज 1 दिन का समय मचान और अन्य व्यवस्थाओं में रहेगा। ऐसे में संबंधित वाटर पॉइंट में वन्यजीवों की गणना के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। रामगढ़ विषधारी सेंचुरी की स्थिति यह है कि यहां पर मचान के लिए उचित व्यवस्था भी नहीं है। वहीं, दूसरी ओर यहां बाघ होने से भी वनकर्मियों में वाटर पॉइंट में वन्यजीवों की गणना को लेकर चिंता बनी है। अधिकारियों का कहना है कि भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार संबंधित वाटर पॉइंट पर वन्य जीव गणना होगी और वहां पर कैमरा ट्रेप भी लगाए जाएंगे।

भर्ती नहीं होने से परेशानी

कार्यालय उपवन संरक्षक में 108 फॉरेस्ट गार्ड के पद स्वीकृत हैं, लेकिन इसमें से 48 भरे हैं। जबकि, 60 पद खाली हैं। मुकंदरा टाइगर रिजर्व में 112 पदों में से 40 और वन्यजीव विभाग में 83 पदों में 35 भरे हैं। सभी विभागों में पदों की रिक्तता के लिए अभी कुछ जगह होम गार्ड लगा रखे हैं, लेकिन ये भी केवल 2 माह के लिए लगाए जा रहे हैं। अधिकारियों ने सरकार के पास रिक्त पदों की जानकारी भी भेज रखी है। लेकिन, भर्ती नहीं हो रही है।

इस बार बीट की इकाई मानकर वन्यजीव गणना करवाई जाएगी। कार्मिकों की कमी के चलते एनजीओ के वॉलेंटियर की मदद लेंगे। – **तरुण मेहरा**, एसीएफ, वन्यजीव विभाग, कोटा

अधिकांश रेंज में आधे से अधिक पद रिक्त है, जिसके चलते कार्य प्रभावित होते हैं। – **बुद्धराम जाट**, प्रदेश प्रवक्ता, वनकर्मचारी संघ

JANKI DEVI BAJAJ GOVERNMENT GIRLS COLLEGE
KOTA, RAJASTHAN
DEPARTMENT OF ZOOLOGY

,

रावतभाटा उपखंड की 4 रेंज में शुरू हुई वन्यजीव गणना

वाटर प्वॉइंट पर पानी पीने आए वन्यजीव दिखे

पत्रिका ग्राउंड रिपोर्ट

दिनभर गर्म हवा के थपेड़ों के बीच मुस्तैद दिखे वन कर्मी एवं स्वयंसेवक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रावतभाटा. बुद्ध पूर्णिमा पर वन विभाग की ओर से रावतभाटा उपखंड की 4 रेंज में सोमवार सुबह 8 बजे से वन्य जीव गणना का कार्य शुरू किया गया। दिनभर गर्म हवा के थपेड़ों के बीच वन कर्मी एवं स्वयंसेवक वन्यजीव गणना के कार्य में मुस्तैद नजर आए। 2 वर्ष बाद हो रही इस वन्यजीव गणना में वन प्रेमियों ने वन्य जीवों की अठखेलियां का नजारा भी देखा। वर्ष 2020 में कोरोना संक्रमण और वर्ष 2021 में ताऊते तूफान के कारण वन्यजीव गणना का कार्य नहीं हुआ था। रात को धवल चांदनी में वन विभाग के कर्मचारियों ने वनों में वन्यजीवों की गणना का कार्य किया। गणना कार्य सोमवार सुबह 8 बजे प्रारंभ हुआ जो मंगलवार सुबह 8 बजे तक 4 रेंज के 51 वाटर प्वाइंट पर जारी रहेगा।

रावतभाटा उपखंड में वन्य जीव अभयारण्य भैंसरोडगढ़, जावदा रेंज, रावतभाटा रेंज और बोराव रेंज क्षेत्र में वन्यजीवों की गणना वाटर हाल पद्धति पर की जा रही है। प्रत्येक वाटर हाल पर दो वन कर्मी 24 घंटे तैनात रहे। जो पानी पीने आने वाले वन्यजीवों की गणना के साथ हर हरकत पर नजर रखे रहे। इस गणना में ... आधुनिक साधनों का भी उपयोग किया जा रहा है जिसमें विशेष कैमरे शामिल हैं। जिनको वाटर प्वाइंट पर लगाया है। वन्यजीव गणना में इस बार विशेषज्ञ, वन्य जीव प्रेमी भी भाग ले रहे हैं। सहायक वन संरक्षक राजेंद्र गुप्ता एवं क्षेत्रीय वन अधिकारी दिनेश नाथ ने बताया कि ... के 28 रावतभाटा रेंज 8, बोराव रेंज 9 और जावदा रेंज के 6 क्षेत्र पर वन्य जीव गणना की जा रही है। वन्यजीव गणना में नियुक्त वन कर्मियों को भोजन भी मौके पर ही जाकर दिया गया। वाटर प्वाइंट पर वन्यजीव आकलन का कार्य वन कर्मी, स्वयंसेवक एवं विकास समिति के ...

JANKI DEVI BAJAJ GOVERNMENT GIRLS COLLEGE
KOTA, RAJASTHAN
DEPARTMENT OF ZOOLOGY

SEMINAR PRESENTATION

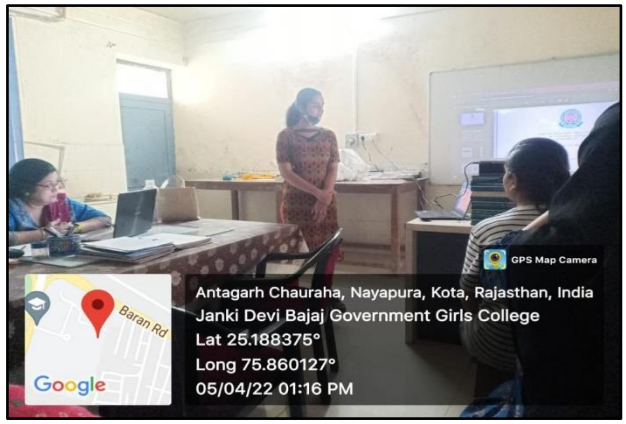

Ms. Shalu Badgujar, Ms. Yashoda Goswami, Ms. Pratiksha Jain & Ms. Rashi Gautam received Certificates from NASA, USA for Asteroid search PS 20

Counselling & Mentoring students for qualifying NET/JRF & CSIR

JANKI DEVI BAJAJ GOVERNMENT GIRLS COLLEGE
KOTA, RAJASTHAN
DEPARTMENT OF ZOOLOGY

Educational Tour to Abheda Biological Park for study of wild animals in captivity

Inauguration of Abhera Biological Park by Honble Minister and **study of large mammals for students** of M. Sc. Zoology, Janki Devi Bajaj Government Girls College, Kota, Rajasthan.

लोकार्पण हो गया, लेकिन सुरक्षा इंतजाम अधूरे, इसलिए अभी नहीं मिलेगा प्रवेश

तीस साल के इंतजार के बाद मिला कोटा को बायोलॉजिकल पार्क, प्रवेश के लिए अभी इंतजार

कोटा. अभेड़ा स्थित बायोलॉजिकल पार्क के लोकार्पण के बाद पार्क में घूमते वन्यजीव प्रेमी।

कोटा. पार्क के लोकार्पण के दौरान खड़े अधिकारी व उपस्थित प्रबुद्धजन।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोटा. तीन दशक के इंतजार के बाद आखिर शनिवार को कोटा को बायोलॉजिकल पार्क की सौगात मिल गई। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्चुअल कार्यक्रम में अभेड़ा स्थित बायोलॉजिकल पार्क का लोकार्पण किया। इस मौके पर अभेड़ा स्थित बायोलॉजिकल पार्क में समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वन संरक्षक एसआर यादव, विभाग के उपवन संरक्षक डॉ एएन गुप्ता, सहायक वन संरक्षक तरुण मेहरा व अनुराग भटनागर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

करना होगा इंतजार

विभाग के अधिकारियों के अनुसार पार्क का लोकार्पण कर दिया गया है, लेकिन लोगों को इसे देखने के लिए कुछ दिन और इंतजार करना पड़ेगा। विभाग के उपवन संरक्षक डॉ एएन गुप्ता ने बताया कि सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध होने के बाद ही पार्क में आमजन को प्रवेश दिया जाएगा। सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा गार्ड लगाए जाएंगे।

स्पोटेड डीयर

पार्क का सफर

- वर्ष 1988 में तत्कालिक उपवन संरक्षक वीके सालवान ने बॉयोलॉजिकल पार्क का प्रस्ताव बनाया।
- 1989 में वन विभाग के देहरादून सेंटर की टीम ने जगह का सर्वे किया।
- वर्ष 2005 में प्रदेश की सरकार ने पार्क के लिए 10 करोड़ का प्रस्ताव तैयार किया।
- 2009 में तकनीकी समिति का गठन कर सलाहकार की नियुक्ति की गई।
- 2010 में समिति ने यूआईटी व विभाग को कॉन्सेप्ट प्लान सौंपा।
- 2012 में वन मंडल ने 309.06 हैक्टेयर जमीन वन्यजीव विभाग को सौंपी।
- 2012-2013 में पार्क की दीवार बनाने के लिए 1.5 करोड़ स्वीकृत किए।
- 2015-सीजेडएआई ने लेआउट पास करने के लिए ट्रेंचिंग ग्राउण्ड हटाने की शर्त लगाई, दीवार अधूरी रह गई।
- 2016 में केन्द्रीय जू प्राधिकरण के प्रतिनिधियों ने दौरा किया। इस दौरान ग्रीन बेल्ट विकसित करने का सुझाव सामने आया।
- 2017 जनवरी में विभाग ने पार्क के लिए ग्रीन बेल्ट बनाने का संशोधित प्रस्ताव भेजा।
- 2017 में इस संशोधित प्रस्ताव को मंजूरी मिली।
- 2020 जुलाई में पुराने चिड़ियाघर से शाकाहारी वन्यजीवों को नए पार्क में शिफ्ट किया गया।
- 2021 में सितम्बर में मांसाहारी वन्यजीवों को भी पार्क में शिफ्ट करके पुराने चिड़ियाघर को दर्शकों के लिए बंद कर दिया।
- 18 दिसम्बर 2021 को पार्क का लोकार्पण किया गया।

भेड़िये।

पैंथर

अभी ये वन्यजीव

पार्क में अभी 5 चिंकारा,10 ब्लैक बक, 33 चीतल, 10 नीलगाय, 3 सांभर, 3 हाईना,4 भेड़िए, 2 सियार, 3 पैंथर समेत 75 वन्यजीव हैं।

इन्हें लाएंगे

पार्क में जल्द ही हिमालयन भालू, बाघ व शेर व इंडियान फोक्स को भी लाया जाएगा। इसके लिए विभिन्न स्थानों से स्वीकृति मिल चुकी है। प्रक्रिया के तहत केन्द्रीय जू प्राधिकरण का प्रस्ताव भेजे गए है, वहां से स्वीकृति मिलते ही वन्यजीवों को लाया जाएगा।

JANKI DEVI BAJAJ GOVERNMENT GIRLS COLLEGE
KOTA, RAJASTHAN
DEPARTMENT OF ZOOLOGY

Entrepreneurship Workshop on **‘Identification of Birds and Awareness’** of the importance of Wetlands, Department of Zoology, Janki Devi Bajaj Government Girls College, Kota, Rajasthan, 14 & 15 March 2022.

जेडीबी में बायोडाइवर्सिटी पर स्लाइड शो आयोजित

कोटा के वेटलैंड्स, बर्ड्स और जंगल के बारे में दी जानकारी

कोटा। जेडीबी कॉलेज में छात्राओं को बायोडाइवर्सिटी पर स्लाइड शो के माध्यम से कोटा के वेटलैंड्स, बर्ड्स, जंगल आदि के बारे में जानकारी दी गई। दो दिन चले इस शो में नेचर प्रमोटर ए एच ज़ैदी ने लगभग ८०० पिक्चर दिखाए। इनमें मुकन्दरा नेशनल पार्क के जल स्रोत, वन्य जीव ,बोरबास, कोटा डेम, जवाहर सागर, राणाप्रताप सागर की जलवायु और इन क्षेत्रो में चंबल में मिलने वाले जलीय जीवों के बारे में जानकारी दी। प्राणी शास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. फातिमा सुल्तान व डॉ मनीशा शर्मा उपस्थिति में छात्राओं ने भी अपने अनुभव सुनाए। ज़ैदी ने स्लाइड शो में ८० के लगभग प्रजाति के पक्षियों के अलावा भालू, पैंथर, चीतल, काले हिरण, चिंकारा, नीलगाय, हायना, गोल्डन जेकाल,ऊदबिलाव, मगरमच्छ घड़ियाल और फ्रेश वाटर फिश के बारे में जानकारी दी। कोटा के आसपास के तालाबों में बर्धा, अलनिया, अभेड़ा, उम्मेदगंज, उदपुरिया ,जामुनिया, किशोर सागर के साथ ही जोधपुर व भरतपुर के वेट लेंड के बारे में भी जानकारी दी। वाटर बॉडी में बेवड़ा बावड़ी, बेवड़ा तलाई, रॉवठा गड्ढे का माला लक्ष्मीपुरा, दामोदर पुरा, गिरधरपुरा, रानपुर, लखवा और किशोर सागर आदि की बारे में जानकारियां दी।

JANKI DEVI BAJAJ GOVERNMENT GIRLS COLLEGE
KOTA, RAJASTHAN
DEPARTMENT OF ZOOLOGY

Transect line survey conducted under the supervision of **Dr. Fatima Sultana**, Associate Professor, **Janki Devi Bajaj Government Girls College,** Kota, Office of **Ramgarh Vishdhari Tiger Reserve, Bundi,** and team of WII, Dehradun scholars, 26 May 2022 in RVTR.

छात्राओं ने टाइगर रिजर्व में किया साइन सर्वे

नवज्योति/कोटा

जेडीबी कॉलेज की एमएससी प्राणीशास्त्र की छात्राएं व शोधार्थियों ने शुक्रवार को बूंदी जिले में स्थित रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में साइन सर्वे किया। प्राणीशास्त्र विभाग की प्रोफेसर डॉ. फातिमा सुल्ताना ने बताया कि तीन दिवसीय सर्वे के दौरान छात्राओं ने जल संसाधन, साइन सर्वे की विधियां, वन्यजीवों के संकेत, ट्रैकिंग, पगमार्क खोजना सहित अन्य कार्य किए। इस दौरान वन्यजीवों का मूवमेंट जानना, पगमार्क उठाना और ट्रैपिंग कैमरा लगाने के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां व बारीकियां बताई। सर्वे कार्य में रामगढ़ टाइगर रिजर्व के वनसंरक्षक बुधराज सिंह हाड़ा ने विद्यार्थियों का सहयोग किया।

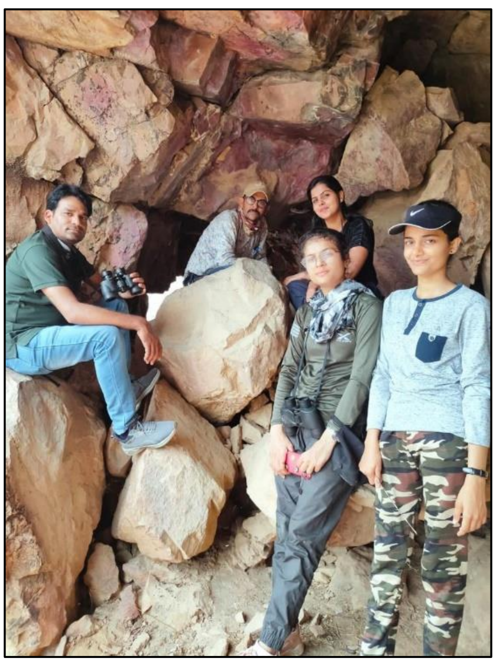

JANKI DEVI BAJAJ GOVERNMENT GIRLS COLLEGE
KOTA, RAJASTHAN
DEPARTMENT OF ZOOLOGY

PROJECT ASSIGNMENT

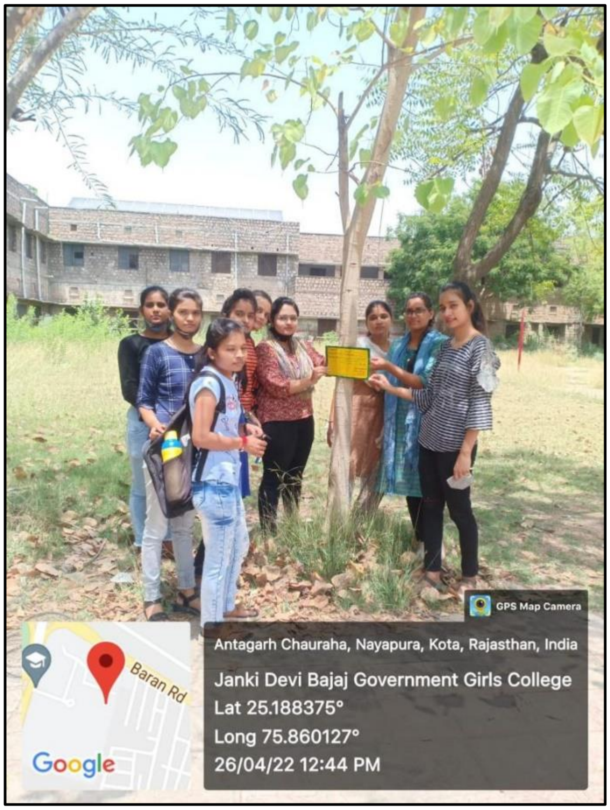

Identification of Trees in JDB Campus, Pugmark and behavior of Wildlife in captivity in Abhera Biological Park, Kota.

JANKI DEVI BAJAJ GOVERNMENT GIRLS COLLEGE
KOTA, RAJASTHAN
DEPARTMENT OF ZOOLOGY

LAB PRACTICES

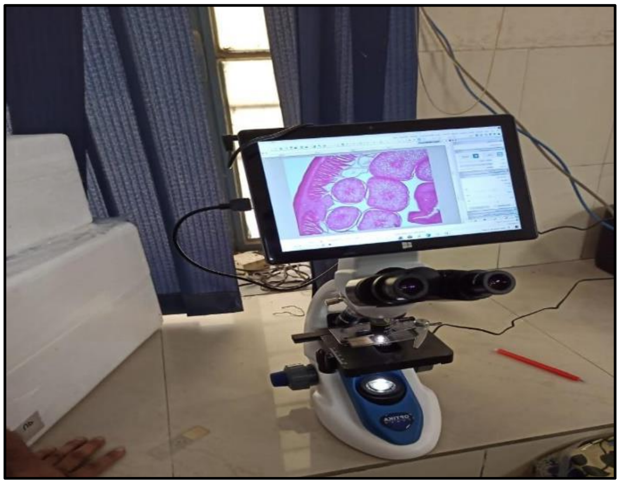

JANKI DEVI BAJAJ GOVERNMENT GIRLS COLLEGE
KOTA, RAJASTHAN
DEPARTMENT OF ZOOLOGY

List of students M. Sc. Zoology (Previous & Final)

S. No.	Name of Student	Fathers Name
1	Ms. JOYA PARVEEN	Mr. Mohd. Ibrahim
2	Ms. JYOTHI SAINI	Mr. Hemraj Arvind
3	Ms. KAVITA NAGAR	Mr. Ghanshyam Nagar
4	Ms. MUSKAN SHARMA	Mr. Chandra Shekhar Sharma
5	Ms. PRATIKSHA JAIN	Mr. Anil Jain
6	Ms. RAKSHA PARETA	Mr. Sunder lal Pareta
7	Ms. RASHI GAUTAM	Mr. R. Prasad Sharma
8	Ms. RENU MEENA	Mr. Mahendra Meena
9	Ms. SHAHISTA ASHFAQUI	Mr. Abdul Alim
10	Ms. SHALU BADGUJAR	Mr. Brijmohan Badgujar
11	Ms. SHIVANI JANGID	Mr. Mahendra Kumar
12	Ms. SIMRAN GOUR	Mr. Rajendra Gour
13	Ms. YASHODA GOSWAMI	Mr. Nandlal Jati Goswami
14	Ms. SWASTI CHOUDHARY	Mr. Jagdish Babu
15	Ms. AKANSHA SONI	Mr. Vishnu Kumar Soni
16	Ms. AMITA GUGALIYA	Mr. Hari Prasad Gugaliya
17	Ms. ANITA MEENA	Mr. Dev Karan Meena
18	Ms. ANJALI YADAV	Mr. Anandi Lal Yadav
19	Ms. ANJANA NAGAR	Mr. Rajendra Prasad
20	Ms. ANJU KUMARI SONI	Mr. Shyam Lal Soni
21	Ms. ANKITA JANGID	Mr. Nand Bihari
22	Ms. BAZIGA ZAMIL ANSARI	Mr. Jamil Ahmed Ansari
23	Ms. FIZA KHANAM	Mr. Jahid Khan
24	Ms. HARPREET KAUR	Mr. Baiant Singh
25	Ms. JYOTI NAGAR	Mr. Nand Kishor Nagar
26	Ms. KAJAL RAJORA	Mr. Rajesh Rajora
27	Ms. KIRAN NAGAR	Mr. Kanhaiya Lal Nagar
28	Ms. KOMAL GURJAR	Mr. Satya Narayan Gurjar
29	Ms. KUNIKA SHARMA	Mr. Ritesh Sharma
30	Ms. MANISHA KUMARI MEENA	Mr. Ramkesh Meena
31	Ms. NEETU MEENA	Mr. Om Prahash Meena
32	Ms. NEETU NAGAR	Mr. Bal Mukund Nagar
33	Ms. NOREEN NAGAR	Mr. Abdul Hanif
34	Ms. POOJA MEENA	Mr. Rameshwar Meena
35	Ms. PREETI AKHAND	Mr. Banwarilal Akhand
36	Ms. RASHI MALAV	Mr. Mahaveer Malav
37	Ms. SAKSHI JAIN	Mr. Virendra Jain
38	Ms. SHYAM REKHA MEENA	Mr. Dhanpal
39	Ms. SHIVANI SUMAN	Mr. Prabhu Lal Suman
40	Ms. SUCHITRA SAHU	Mr. Satish Kumar Sahu
41	Ms. SUMAN KANOJIYA	Mr. Jeevan Lal
42	Ms. TEENA GAUTTAM	Mr. Trilok Chand Sharma
43	Ms. VARISHA KHAN	Mr. Imran Ullah Khan
44	Ms. VARTIKA SHARMA	Mr. Naresh Sharma

Dr. Fatima Sultana